E-Lesson-7 Class- VIII

Sanskrit - 11 May 2020

व्याकरणम् - शब्दरूपाणि, धातुरूपाणि

इस अभ्यासपत्रिका में शब्दरूपों तथा धातुरूपों का अभ्यास करेंगे।

शब्द रूप - राम, मुनि, साधु तथा पितृ

धातु रूप - गम् तथा कृ (पाँचों लकार)

इन सभी शब्द रूपों तथा धातु रूपों को आप प्रथम अभ्यास में लिख चुके हैं। अब इन शब्द रूपों एवं धातु रूपों को याद करें तथा रिक्त-स्थान पूर्ति द्वारा इनका अभ्यास करें।

शब्दरूपाणि

		एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
'राम' शब्द	1	रामम्	______	______
अकारान्त	2	______	______	रामेभ्यः
पुल्लिंग	3	रामात्	______	______
	4	______	______	रामेषु
'मुनि' शब्द	5	______	मुनी	______
इकारान्त	6	मुनिना	______	______
पुल्लिंग	7	______	______	मुनीनाम्
	8	______	हे मुनी!	______
'साधु' शब्द	9	साधु	______	______
उकारान्त	10	______	______	साधून्
पुल्लिंग	11	______	साधुभ्याम्	______
	12	______	______	साधूनाम्
	13	______	______	साधुषु

CS Scanned with CamScanner

		एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
'पितृ' शब्द	14	______	______	पितरः
ऋकारान्त	15	पितरम्	______	______
पुल्लिंग	16	______	______	पितृभ्यः
	17	______	पित्रोः	______

ध्यान रखें शब्दरूपों में यदि किसी भी पंक्ति में एक से अधिक विभक्तियों का प्रयोग हो सकता है तो आप अपनी इच्छानुसार किसी भी विभक्ति का प्रयोग कर सकते हैं

जैसे - ______ रामाभ्याम् ______

यहाँ आप तृतीया, चतुर्थी या पंचमी किसी भी विभक्ति का प्रयोग करके रिक्त-स्थान पूर्ति कर सकते हैं।

धातुरूपाणि

'गम्' धातु -	1	गच्छसि	______	______
	2	______	______	गच्छामः
	3	______	अगच्छताम्	______
	4	______	______	गमिष्यथ
	5	गच्छतु	______	______
	6	______	गच्छाव	______
	7	______	______	गच्छेयुः
	8	गच्छेयम्	______	______
कृ धातु	9	करोति	______	______
	10	______	कुर्वः	______
	11	______	______	अकुर्वन्
	12	अकरवम्	______	______
	13	______	______	करिष्यामः
	14	______	कुरुतम्	______
	15	करवाणि	______	______
	16	______	______	कुर्युः
	17	______	कुर्याव	______

—x—x—

CS Scanned with CamScanner